P. 36.) °दशेविद्द B. 37.) दधिविशेषस्य the mspts. 38.) का° - °दायेति is wanting A. M. 35. [sic!]) अन्यथा is wanting in all the mspts. 36.) स्ना B. ष्ना धातुपा° २४. ४४. 37.) °ज्ञविरोध° B. 38.) किंचिद्वा° B. 39.) व्रीहिं स्पृशेदिति P. 40.) बालकेभ्यः A. 41.) is wanting निघ° २. १६. 42.) °च्चारणपूर्वकं B. 43.) The second द्दविष्कृदेहि is wanting in A.B. 44.) °शमि श्यन्विकरणः [पा° ३.१.६९.] व्यत्ययेनात्मनेपदम् B. 45.) °धातुकऽइति दीर्घ ईट् बहुलं छन्दसीति [पा° २.४.७३.] शपो लुक् । आदेशप्रत्यययोरिति [पा° ८.३.५९.] षत्वम् B. 46.) °नादिका B. 47.) सेयं B. 48.) °तेन संपद्यते B. 49.) अन्तःस्थितस्येपदन्तकवर्णास्य B. 50.) सेयं B. 51.) तदेतद्धि° B. 52.) संबुध्या° B. 53.) °त्वाद्गोत्रत्वम् B. 54.) प्राशित्रप्रहरिणा B.P. 55.) I have not met with this rule in the Kâtyâyanasûtra. मूलादुपवेषं करोतीति B. 56.) धृ° - च is wanting in A. M. 57.) नाशंकररक्तो° P. 58.) B. adds स्कभ्नोतिः स्तम्भनकर्मा लोकस्य स्तम्भनीः 59.) °संयवनीया B. 60.) समं वि° the mspts of Kâtyây. 61.) अप्यमा° B. 62.) सोऽत्र मा भूदित्यर्थः B. 63.) दिवि नाको नामाग्निः रक्तोह्देति नामकः स्वर्गस्थोऽग्निः B. 64.) °धानि P. 65.) प्रहरणादीनि Kâty. mspts. 66.) निपात्य B. P. M. 67.) निपाद्य B. 68.) शान्ता is wanting A. शिता P. 69.) मियो मन्त्रितमेतस्या भूमेर्यत्कृष्णं देवयजनं चन्द्रे स्थापयाम इति मनसि निधाय स्थापयामासुस्तत्कृष्णवर्णमद्यापि B. 70.) रप्सति B. रपाति P. 71.) यज्ञे B. P. 72.) विदितव्यं P. 73.) मृन्नूष B. M. —

The first 72 pages have been printed and corrected during my temporary absence from Berlin: this accounts for the numerosity of orthographical and typographical errors. *Read:* ऽइति or ऽइत्य° pag. 2, lin. 7. 11, 20. 12, 13. 14, 20. 15, 23. 19, 12. 17. 23. 20, 20. 21, 20. 22, 13. 24, 7. 19. 20. 23. 25, 10. 26, 13. 29, 2. 33, 18. *Read:* pag. 1. lin. 1. भाष्यं वि°. 4 ब्रह्मप°. 2, 10 षडुत्तर°. 3, 2 वं. 3 यज्ञं°. 12 दोहनाद्रू°. 23 क्रियाप°. 4, 1 संन°. 10 य ।. 17 °र्तते. 5, 13 °स्य पश्रू°. 6, 16 मध्योदात्तं. 7, 13 °स्मिन्निति. 8, 22 ऽयं म°. 9, 15 ऽएव. 25 °क्षोधक°. 10, 8 °गा॒ सो° and व्या॒ रं°. 12 ऽउत्त°. 15 and 16 त्वया इ-